



# साहित्य अमृत

मासिक

वर्ष-२२ अंक-२ ❖ पृष्ठ ९२

भाद्रपद-आश्विन, संवत्-२०७३

सितंबर २०१६

संस्थापक संपादक

स्व. पं. विद्यानिवास मिश्र

पूर्व संपादक

स्व. डॉ. लक्ष्मीमल्ल सिंघवी

संपादक

त्रिलोकी नाथ चतुर्वेदी

प्रबंध संपादक

श्यामसुंदर

संयुक्त संपादक

डॉ. हेमंत कुकरेती

कार्यालय

४/१९, आसफ अली रोड,

नई दिल्ली-११०००२

फोन : २३२८९७७७ • फैक्स : २३२५३२३३

ई-मेल : sahyaaamrit@gmail.com

शुल्क

एक अंक—₹ ३०

वार्षिक (व्यक्तियों के लिए)—₹ ३००

वार्षिक (संस्थाओं/पुस्तकालयों के लिए)—₹ ४००

विदेश में

एक अंक—चार यू.एस. डॉलर (US\$4)

वार्षिक—पैंतालीस यू.एस. डॉलर (US\$45)

प्रकाशक, मुद्रक तथा स्वत्वाधिकारी श्यामसुंदर द्वारा

४/१९, आसफ अली रोड, नई दिल्ली-२

से प्रकाशित एवं ग्राफिक वर्ल्ड, १६८६,

कूचा दखनीराय, दरियागंज, नई दिल्ली-२ द्वारा मुद्रित।

साहित्य अमृत में प्रकाशित लेखों में व्यक्ति

विचार एवं दृष्टिकोण संबंधित लेखक के हैं।

संपादक अथवा प्रकाशक का उनसे

सहमत होना आवश्यक नहीं है।



इस अंक में

संपादकीय

राजभाषा-राष्ट्रभाषा हिंदी ४

प्रतिस्मृति

हिंदीमय जीवन/ विद्यानिवास मिश्र ५

आलेख

राजभाषा की लड़ाई : बिना खड्ग

बिना ढाल/ बुद्धिनाथ मिश्र ८

हिंदी में समाहित अध्यात्म,

ज्ञान और विज्ञान/ मृदुल कीर्ति १३

हिंदी : विश्वभाषा की ओर अग्रसर/

बद्री नारायण तिवारी २०

डेढ़ दशक बाद भी कितने लोग जानते हैं

यूनिकोड को/ बालेंदु शर्मा दाधीच २९

राजा लक्ष्मण सिंह/ कुश चतुर्वेदी ४०

छायावादी कविता का प्रस्थान

बिंदु 'इंदु'/ कुमुद शर्मा ६२

कहानी

कम्मो/ आचार्य मायाराम पतंग १०

सूरज/ प्रमोद कुमार अग्रवाल १८

गृहस्थी/ राजेंद्र परदेसी २६

चाचीजी/ माया मिश्र ३५

शादीनामा/ रहिला रईस ५१

वह अजनबी/ सरिता कुमारी ६६

लघुकथा

पत्थर और पानी/ ओमप्रकाश बजाज ९

तोड़ियाँ/ सेवा सदन प्रसाद २८

संवेदनाएँ मर रहीं/ सेवा सदन प्रसाद ४२

डर/ सेवा सदन प्रसाद ६१

सरल स्वभाव/ ओमप्रकाश बजाज ७२

भ्रष्टाचार/ सीताराम गुप्ता ८३

कविता

नीम खड़ा रोता है/ शरद नारायण खरे १५

आत्म-संवाद के दोहे/ विनय मिश्र २५

प्रकृति का नाद/ जय प्रकाश पांडे ३७

सत्यं शिवं सुंदरम्/ रूपनारायण काबरा ५७

मनवा आठों याम/ कृपाशंकर शर्मा 'अचूक' ६५

हिंद देश की भाषा हिंदी/ शिवनंदन कपूर ७३

स्मरण

डॉ. हरदयाल : विनम्र विद्वत्ता/

हेमंत कुकरेती १६

मेरे पिता का संगीत प्रेम/ शोभा शुक्ला ५८

व्यंग्य

करतब जमूरो के/ अश्विनी कुमार दुबे ३२

सास की अटकी साँस/ सुनीता शानू ८२

राम झरोखे बैठ के

बेहतर श्वान या इनसान/ गोपाल चतुर्वेदी ३८

साहित्य का भारतीय परिपार्श्व

अब दुःख नहीं है/ वाई. गोपाल कृष्णन ५६

साहित्य का विश्व परिपार्श्व

एक माँ की कहानी/ हंस क्रिचन ऐंडरसन ७०

लोक-साहित्य

लोकगीतों में पति-पत्नी प्रेम/ अरविंद मिश्र ७४

साँझी पर्व संजा सहेलड़ी/ सुधा तैलंग ८४

यात्रा-संस्मरण

अथ श्रीगोवर्धन तीर्थ-कथा/ प्रेमपाल शर्मा ७६

बाल-संसार

पापा बोलो तो!/ संजीव ठाकुर ८५

पाठकों की प्रतिक्रियाएँ ८६

वर्ग-पहेली ८७

साहित्यिक गतिविधियाँ ८८